आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 02.07.2026 समय : 1905

1. जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची तीन दिन की भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुँची। दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन स्तर की बातचीत में आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और ए आई सहित कई समझौते हुए।

2. एक पेड़ माँ के नाम अभियान के साथ मध्य अंडमान के रंगत में सतहत्तरवे वन महोत्सव का भव्य शुभारंभ कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

3. सी आर सी ब्रुक्शाबाद की पहल से दक्षिण और उत्तर एवं मध्य अंडमान में दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

4. अंडमान निकोबार पुलिस मुख्यालय में दैनिक सरकारी कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रेरित किया गया।

<><><><><><><>

भारत और जापान ने आर्थिक तथा ऊर्जा सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा तथा ए.आई सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई समझौते किए है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन स्तर की वार्ता की। सम्मेलन में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज के समय में सामूहिक विश्वास सबसे बड़ी संपत्ति है और भारत—जापान की द्विपक्षीय साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है।

इस अवसर पर भारत और जापान ने ए.आई के क्षेत्र में एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है। श्री मोदी ने कहा कि जापान की सटीक प्रौद्योगिकी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमताओं का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति प्रदान करेगा।

<><><><><><><>

मध्य अंडमान वन प्रभाग द्वारा रंगत में आज सततरवें वन महोत्सव—2026 के तहत एक माह तक चलने वाले वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित उद्घाटन समारोह एवं सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन सेंट जेवियर्स मिडिल स्कूल, रंगत परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मध्य अंडमान के सहायक आयुक्त की उपस्थिति में लगभग ढेड़ सौ छात्र—छात्राओं, शिक्षकों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश दिया। सामूहिक वृक्षारोपण के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि बकुलतला रेंज के कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने वनों के महत्व तथा वनों की कटाई के दुष्परिणामों पर आधारित मूक नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य अंडमान वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी विकास यादव ने वनों के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। प्रारंभ में एसीएफ (मुख्यालय) सुकुमार दास ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। अंत में एसीएफ (मध्य अंडमान) अलकाब हसन ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

<><><><><><><>

महिला और बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। यह पुरस्कार पांच से अट्ठारह वर्ष के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि इक्कतीस जुलाई है। मंत्रालय ने बताया कि नामांकन अवॉर्डस डॉट जीओवी डॉट आईएन पोर्टल पर किए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला तथा संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रदान

किया जाता है। यह पुरस्कार कठिन परिस्थितियों में असाधारण साहस का प्रदर्शन करने वालों को भी दिया जाता है।

<><><><><><><>

ब्रुक्शाबाद स्थित कंपोजिट रीजनल सेंटर ने समाज कल्याण निदेशालय के सहयोग से दक्षिण अंडमान तथा उत्तर एवं मध्य अंडमान जिलों में एडीआईपी और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। इसी प्रकार पीएचसी फरारगंज और बाराटांग, सीएचसी रंगत, जिला अस्पताल मायाबंदर तथा सीएचसी डिगलीपुर में शिविर लगाए गए। एलिम्को और अनिम्स के विशेषज्ञों की टीम ने लगभग 300 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिकित्सीय परीक्षण, स्क्रीनिंग तथा दस्तावेज सत्यापन किया। पात्र लाभार्थियों को व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, एलएस बेल्ट, नी–ब्रेस, सर्वाइकल कॉलर सहित अन्य सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। निदेशक सुमिथामोल एस. ने समाज कल्याण विभाग, एलिम्को, आईओसीएल, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य संस्थानों, पंचायती राज संस्थाओं तथा सभी सहयोगी एजेंसियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसे ही प्रयास जारी रहेगा।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस मुख्यालय के सभागार में हाल ही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पुलिस विभाग की विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक बलराम ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी देश की राजभाषा है और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक कार्यालयीन कार्यों में इसका अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने राजभाषा के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभाग में हिन्दी के व्यापक उपयोग पर बल देते हुए अंडमान एवं निकोबार पुलिस को इस दिशा में एक आदर्श विभाग बनाने का आह्वान किया। समापन समारोह में गृह निरीक्षक जोजू के. मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि राजभाषा नियमों का पालन वैकल्पिक नहीं बल्कि अनिवार्य है। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग

नियमित सरकारी कार्यों में करने का आग्रह किया तथा उन्हें प्रमाण–पत्र वितरित किए। कार्यशाला में वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक सत्यानारायण एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी अजय सिंह ने राजभाषा संबंधी व्याख्यान दिए।

<><><><><><><>

खेल एवं युवा मामले निदेशालय ने अपने सभी मौजूदा सदस्यों, नए आवेदकों, प्रशिक्षुओं, गैर–सदस्यों तथा विभाग से जुड़े विद्यार्थियों से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एंटी–ड्रग पोर्टल पर पंजीकरण कर ई–प्रतिज्ञा लेने की अपील की है। निदेशालय ने कहा है कि सभी संबंधित व्यक्ति निर्धारित पोर्टल पर पंजीकरण कर ई–प्रतिज्ञा पूरी करें और उसके बाद जारी प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सुरक्षित रखें। विभाग के अनुसार खेल सुविधाओं का लाभ लेने के लिए सदस्यता ग्रहण करने या सदस्यता के नवीनीकरण के समय एंटी–ड्रग पोर्टल पर पंजीकरण का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करने पर सदस्यता आवेदन या नवीनीकरण पर विचार नहीं किया जा सकेगा। खेल एवं युवा मामले निदेशालय ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, प्रशिक्षुओं, सदस्यों और खेल प्रेमियों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा है कि नशामुक्त वातावरण स्वस्थ खेल संस्कृति की आधारशिला है। विभाग ने सभी से इस पहल को सफल बनाने और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त खेल वातावरण के निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया है।

<><><><><><><>